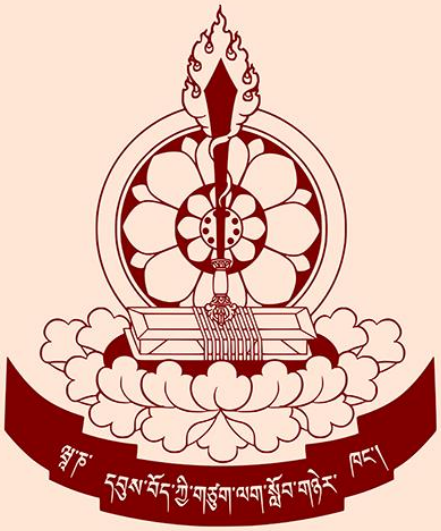

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान

དབུས་བོད་ཀྱི་གཙུག་ལག་སློབ་གཉེར་ཁང་།

Central Institute of Higher Tibetan Studies

Deemed to be University

Sarnath, Varanasi 221007

परिकल्पना

उद्देश्य

मौलिक मूल्य

परिकल्पना

- नालन्दा, विक्रमशिला, तक्षशिला आदि प्राचीन भारत के महानतम शिक्षा केन्द्रों की अक्षुण्ण विरासत बौद्ध धर्म एवं तिब्बती अध्ययन में उच्च शिक्षा के लिए तिब्बत में अध्ययन करने के अवसर से वंचित तिब्बती शरणार्थी विद्यार्थियों, भारतीय हिमालयी क्षेत्र के विद्यार्थियों और अन्य लोगों के लिए पारम्परिक शिक्षा सुनिश्चित करना। इस परम्परा को संरक्षित करने के क्रम में युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए आधुनिक विषयों के साथ-साथ पारम्परिक विषयों में शिक्षित करना। विभिन्न शोध के माध्यम से इस परम्परा का संरक्षण और विकास करना।

उद्देश्य

- प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली में निहित तिब्बती संस्कृति और परम्परा को संरक्षित करना।
- मूल विलुप्त परन्तु तिब्बती भाषा में संरक्षित प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान और साहित्य का पुनरुद्धार।
- तिब्बती समुदाय और सीमान्त भारतीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की वैकल्पिक सुविधा प्रदान करना, जो पूर्व में इस तरह की उच्च शिक्षा तिब्बत में जाकर प्राप्त करते थे।
- तिब्बती अध्ययन में उपाधि प्रदान करने के प्रावधान के साथ शिक्षा की आधुनिक विश्वविद्यालयी प्रणाली के ढांचे में पारम्परिक विषयों में शिक्षा और शोध की व्यवस्था करना।
- सर्वांगीण व्यक्तित्व में नैतिक मूल्यों के विकास की दृष्टि से बौद्ध अध्ययन की शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषयों में शिक्षा प्रदान करना।

मौलिक मूल्य

- मस्तिष्क और मन दोनों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।
- विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों के साथ समन्वित पारम्परिक विषयों के विभिन्न क्षेत्रों में शोध।
- अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सतत् सुधार।
- परिवर्तनकारी मानवीय मूल्यों के अनुरूप छात्रों का समग्र विकास।
- जीवन पर्यन्त अध्ययन एवं परिवर्तन प्रक्रिया।